Supplement—II Regd. No. CHD/0093/2015–2017

Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 36-2015] CHANDIGARH, TUESDAY, SEPTEMBER 8, 2015 (BHADRA 17, 1937 SAKA)

General Review

अभिलेखागार विभाग, हरियाणा द्वारा वर्ष 2011–2012 के दौरान किए गए कार्यों की समीक्षा

दिनांक 22 जुलाई, 2015

क्रमांक 2/3-2015-अभि0/1095

रिपोर्टाधीन अवधि में विभाग प्रशासनिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक व सांस्कृतिक महत्व के सरकारी एवं निजी अभिलेखों की प्राप्ति, सम्भाल एवं चिरकाल तक उनके संरक्षण के कार्यों को करता रहा है ।

वर्ष 2011–2012 के दौरान विभाग ने मुख्य सचिव ट्ट हरियाणा, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा, निदेशक पूर्ति एवं निपटान विभाग, हरियाणा, उप निदेशक, कृषि विभाग, अम्बाला, कार्यकारी अभियंता, पुण्डरी जल सेवाएं मण्डल, कैथल एवं उप आयुक्त, आबकारी एवं कराधान (पूर्वी) फरीदाबाद, उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, रोहतक एवं नगर परिषद पुस्तकालय, सोनीपत के अभिलेखों का सर्वेक्षण किया ।

विभाग ने मुख्य सचिव, हरियाणा सिविल सचिवालय के कार्यालय से 83 फाइलें, वित्त विभाग, हरियाणा सिविल सचिवालय के कार्यालय से वर्ष 1947 से 2010 तक की अवधि के वित्त विभाग द्वारा जारी अनुदेशों/अधिसूचनाओं (19 वोल्यूम) की प्रतियां, कृषि विभाग, हरियाणा के कार्यालय से 74 फाइलें, निर्वाचन विभाग, हरियाणा के कार्यालय से 114 फाइलें, पूर्ति एवं निपटान विभाग, हरियाणा के कार्यालय से 10 फाइलें, उप निदेशक, कृषि विभाग, अम्बाला के कार्यालय से 3 पुस्तकें तथा 2 फाइलें अवाप्त की तथा इसके अतिरिक्त रिवाड़ी के पं0 छज्जुराम शर्मा से रिवाड़ी का इतिहास नामक एक पुस्तक अवाप्त की।

विभाग ने वर्ष 1965 से 2010 तक की अवधि के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, चण्डीगढ़, मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, चण्डीगढ़, निदेशक, पूर्ति एवं निपटान विभाग, हरियाणा, पंचकूला, उप निदेशक, कृषि विभाग, अम्बाला, महानिदेशक, सत्कार संगठन हरियाणा, चण्डीगढ, जिला समाज कल्याण अधिकारी, पानीपत और रोहतक के कार्यालय की फाइलों का मूल्यांकन किया तथा अभिलेखीय महत्व की फाइलों को छोड़कर शेष सभी फाइलों को नष्ट करने का सुझाव दिया गया क्योंकि ये सभी फाइलें अभिलेखीय महत्व की नहीं पाई गई ।

विभाग ने 22 शोधकर्ताओं को शोध सुविधाएं प्रदान की ।

विभाग ने आम जनता में विशेषकर विद्यार्थियों में अभिलेखों के प्रति जागरुकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से राज्य में विभिन्न स्थानों पर विभिन्न अवसरों पर 8 अभिलेखीय प्रदर्शनियों का आयोजन किया ।

विभाग का सभी राष्ट्रीय अभिलेखीय एवं ऐतिहासिक संस्थाओं में अच्छा प्रतिनिधित्व रहा है ।

विजय वर्धन,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
अभिलेखागार विभाग।

REVIEW OF THE WORKING OF ARCHIVES DEPARTMENT, HARYANA FOR THE YEAR 2011-2012

The 22nd July, 2015

No. 2/3-2015-Abhi./1095

During the year under report the Department continued to perform its functions to acquire service and preserve for posterity public and private records of administrative, historical, economic, political, social and cultural value.

During the year 2011-2012, the Department surveyed the records of the Chief Secretary, Haryana, Chief Election Commissioner, Election Department, Haryana, Director, Supply and Disposal Department, Haryana, Deputy Director, Agriculture Department, Ambala, Executive Engineer, Pundri Water Services Division, Kaithal, Dy. Excise & Taxation Commissioner, Faridabad (east), Deputy Registrar, Co-operative Societies, Rohtak and Municipal Council Library, Sonipat.

Department acquired 83 files from the office of Chief Secretary Civil Secretariat, 19 volumes of instructions/ notification issued by the Finance Department from 1947 to 2010 from Financial Commissioner, Haryana, Finance Department, 74 files from Agriculture Department , Haryana, 114 files from the office of Chief Electoral Officer, Haryana, 10 files from the office of Supply and Disposal Department, Haryana, 3 books and 2 files from the office of Deputy Director, Agriculture Department, Ambala and a book of History of Rewari from Pt. Chhaju Sharma, Rewari.

Department appraised files of the period from 1965 to 2010 of the office of Chief Electoral Officer, Haryana, Chandigarh, Chief Secretary, Government of Haryana, Director, Supply and Disposal Department, Haryana, Panchkula, Deputy Director, Agriculture Department, Ambala, Director General, Hospitality Department, Haryana, Chandigarh, District Social Welfare Officer, Panipat and Rohtak and recommended their destruction.

Department provided research facilities to 22 research scholars.

Department organized 8 exhibitions on various occasions at various places in the State to inculcate archival consciousness among the public in general and students in particular.

Department is well represented at all National Archival and Historical Institutions.

VIJAI VARDHAN,
Additional Chief Secretary to Government of Haryana,
Archives Department.

सिविल विमानन विभाग, हरियाणा की वर्ष 2010–2011 की प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा।

दिनांक 20 अगस्त, 2015

क्रमांक विमानन–ट्रेनिंग–2015/1905

वर्ष 2010–2011 के दौरान हरियाणा सिविल विमानन संस्थान (हिक्का) के सभी सैन्टर हिसार, करनाल तथा पिंजौर लगातार फ्लाईंग प्रशिक्षण प्रदान करते रहे। हिक्का के करनाल सैन्टर ने 1500 घण्टों की उड़ान के लक्ष्य के समक्ष 2000:00 घण्टे की उड़ान की । हिक्का का हिसार सैन्टर 1500 घण्टों की उड़ान के लक्ष्य के समक्ष केवल 589:25 घण्टे की उड़ान ही कर सका। हिक्का का पिंजौर सैन्टर 1500 घण्टों की उड़ान के समक्ष केवल 491:50 घण्टे की उड़ान ही कर सका। हिसार विमानन केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों ने रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान उड्डयन के क्षेत्र में 7 स्टूडैंट पायलट लाईसैंस, 1 प्राईवेट पायलट लाईसैंस, 1 कामर्शियल पायलट लाईसैंस एवं 1 इन्स्ट्रूमेन्ट रेटिंग लाईसैंस प्राप्त किये। करनाल विमानन केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों ने उड्डयन के क्षेत्र में 33 स्टूडैंड पायलट लाईसैंस, 6 कामर्शियल पायलट लाईसैंस, 2 असिस्टेंट फ्लाईट इन्सट्रक्टर रेटिंग तथा 7 इन्स्ट्रूमैंट रेटिंग लाईसैंस प्राप्त किये । पिंजौर विमानन केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों ने उड्डयन के क्षेत्र में 10 स्टूडैंट पायलट लाईसैंस प्राप्त किये।

विभाग द्वारा हरियाणा निवासी लड़के, लडकियों तथा अनुसूचित जातियों के प्रशिक्षणार्थियों को रियायती दरों पर फ्लाईंग का प्रशिक्षण दिया गया ।

पायलेट प्रशिक्षणार्थियों की ट्रेनिंग के लिए एक अत्याधुनिक तकनीक का विविध ईंजन वाला टू–टाईप सिमुलेटर FNPT-1 एक करोड़ दस लाख रुपये का M/s Elite Simulator Solutions AG, Switzerland से खरीदा गया है जिसे करनाल हवाई अड्डे पर स्थापित किया गया है ।

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान वी, आई, पी, हवाई जहाज ने 256:00 घण्टों की फ्लाईंग करते हुए 296 उड़ानें कीं तथा हैलीकॉप्टर ने 352:39 घण्टों की 685 उड़ानें बिना किसी रूकावट तथा दुर्घटना के कीं।

एस. एस. ढिल्लों,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
सिविल विमानन विभाग।

दिनांक 26 मई, 2015.

REVIEW OF ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF CIVIL AVIATION DEPARTMENT, HARYANA FOR THE YEAR 2010-2011.

The 20th August, 2015

No. Aviation-Training-2015/1905

During the year 2010-2011 all the Aviation Centers of Haryana Institute of Civil Aviation situated at Hisar, Karnal and Pinjore continued to provide flying training. Haryana Institute of Civil Aviation, Karnal Centre did 2000:00 hours against the target of 1500 flying hours. Haryana Institute of Civil Aviation, Hisar could do only 589:25 hours of flying against the target of 1500 flying hours. Haryana Institute of Civil Aviation, Pinjore could do only 491:50 flying hours against the target of 1500 flying hours. During the year under report pilot trainees of Hisar Aviation Centre got 7 Student Pilot License, 1 Private Pilot License, 1 Commercial Pilot Licence and 1 Instrument Rating License in the field of flying training. The pilot trainees of Karnal Aviation Centre got 33 Student Pilot License, 6 Commercial Pilot License, 2 Assistant Flight Instructor rating and 7 Instrument Rating Licences in the field of flying training. The Pinjore Aviation Centre got 10 Student Pilot License in the field of flying training. The department also provided concession for flying training to the boys, girls and students of Scheduled Castes category of Haryana domicile.

A modern multi Engine one Elite Simulator type FNPT-I was purchased at the cost of Rs. 1,10,000,00/- from Elite Simulation Solutions AG, Switzerland for providing the training to the pilot trainees, which has been established at Civil Aerodrome, Karnal.

The VIP aircraft provided 296 flights of 256:00 hours and State Helicopter provided 685 flights of 352:39 hours without any interruption during the year under report.

S. S. DHILLON,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Civil Aviation Department.

The 26th May, 2015.

सिविल विमानन विभाग, हरियाणा की वर्ष 2011–2012 की प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा।

दिनांक 20 अगस्त, 2015

क्रमांक विमानन–ट्रेनिंग–2015/1906

वर्ष 2011–2012 के दौरान हरियाणा सिविल विमानन संस्थान (हिक्का) के सभी सैन्टर पिंजौर, करनाल तथा हिसार लगातार फ्लाईंग प्रशिक्षण प्रदान करते रहे। हिक्का के करनाल सैन्टर ने 1500 घण्टों की उड़ान के लक्ष्य के समक्ष 1800:55 घण्टे की उड़ान की। हिक्का के हिसार सैन्टर ने 1500 घण्टों की उड़ान के लक्ष्य के समक्ष केवल 82:30 घण्टे की उड़ान ही कर सका। हिक्का के पिंजौर सैन्टर ने 1500 घण्टों की उड़ान के लक्ष्य के समक्ष कोई उड़ान नहीं कर सका। हिसार विमानन केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों ने रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान उड्डयन के क्षेत्र में कोई लाईसैंस प्राप्त नहीं किये । करनाल विमानन केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों ने उड्डयन के क्षेत्र में 30 स्टूडैंट पायलट लाईसैंस, 1 प्राईवेट पायलट लाईसैंस, 13 कामर्शियल पायलट लाईसैंस तथा 18 इन्सट्रूमेन्ट रेटिग लाईसैंस प्राप्त किये । पिंजौर प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों ने उड्डयन के क्षेत्र में 1 स्टूडैंट पायलट लाईसैंस प्राप्त किया।

विभाग द्वारा हरियाणा निवासी लड़के, लड़कियों तथा अनुसूचित जातियों के प्रशिक्षणार्थियों को रियायती दरों पर फलाईंग का प्रशिक्षण दिया गया जिसे हवाई पट्टी, करनाल में स्थापित किया गया है ।

पायलेट प्रशिक्षणार्थियों की ट्रेनिंग के लिए एक अत्याधुनिक तकनीक का विविध ईंजन वाला टू–टाईप सिमुलेटर FNPT-1 एक करोड़ दस लाख रुपये का M/s Elite Simulator Solutions AG, Switzerland से खरीदा गया है जिसे करनाल हवाई अड्डे पर स्थापित किया गया है ।

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान राज्य के वी, आई, पी, हवाई जहाज ने 137:35 घण्टों की फ्लाईंग करते हुए 168 उड़ानें कीं तथा हैलीकॉप्टर ने 394:30 घण्टों की 712 उड़ानें बिना किसी रूकावट तथा दुर्घटना के कीं।

एस.एस. ढिल्लों,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
सिविल विमानन विभाग।

दिनांक 26 जून, 2015.

REVIEW OF ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF CIVIL AVIATION DEPARTMENT,HARYANA FOR THE YEAR 2011-2012.

The 20th August, 2015

No. Aviation-Training-2015/1906

During the year 2011-2012 all the Aviation Centers of Haryana Institute of Civil Aviation situated at Pinjore, Karnal and Hisar continued to provide flying training. Haryana Institute of Civil Aviation, Karnal Centre did 1800:55 hours against the target of 1500 flying hours. Haryana Institute of Civil Aviation, Hisar could do only 82:30 hours of flying against the target of 1500 flying hours. Haryana Institute of Civil Aviation, Pinjore could not do any flying. During the year under report pilot trainees of Hisar Aviation Centre could not get any licences in the field of flying training. The pilot trainees of Haryana Institute of Civil Aviation, Karnal got 30 Student Pilot Licences, 1 Private Pilot License, 13 Commercial Pilot Licences and 18 Instrument Rating Licences in the field of flying training. The Pinjore Centre of Haryana Institute of Civil Aviation got 1 Student Pilot Licence in the field of flying training. The department also provided concession for flying training to the boys, girls and students of Scheduled Castes category of Haryana domicile.

A modern multi Engine Elite Simulator FNPT-I was purchased at the cost of Rs. 1,10,000,00/- from Elite Simulation Solutions AG, Switzerland for providing the training to the pilot trainees, which is established at Civil Aerodrome, Karnal.

The State Aircraft provided 168 flights of 137:35 hours and Helicopter provided 712 flights of 394:30 hours without any interruption during the year under report.

S. S. DHILLON,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Civil Aviation Department.

The 26th June, 2015.

सिंचाई विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट

वर्ष 2012–2013 की समीक्षा

दिनांक 2 सितम्बर, 2015

No. 185-186/362/26/Sts/2012-13

हरियाणा भारत देश का एक छोटा राज्य है जो कि 1 नवम्बर, 1966 को पंजाब के विभाजन पर बना था। यह देश के उत्तर पश्चिम में स्थित है और इसका भौगोलिक क्षेत्र 4.4 मिलियन हैक्टेयर और कृषि योग्य क्षेत्रफल 3.9 मिलियन हैक्टेयर है। राज्य का उत्तरी हिस्सा शिवालिक की पहाड़ियों से घिरा हुआ है और पूर्व में यमुना नदी है। दक्षिण में दिल्ली व अरावली की पर्वत माला है और दक्षिण पश्चिम में राजस्थान का मरुस्थल है। उत्तर पश्चिम में पंजाब की सीमा के साथ–साथ घग्गर नदी है। राज्य इन्डस बेसिन व गंगा के मध्य (घग्गर व यमुना नदी के मध्य) में है व इसकी स्थिति उत्तरी मैदानी क्षेत्र में लम्बाई में 74 डिग्री से 78 डिग्री पूर्व व कोणात्मक दृष्टि में 27 डिग्री से 31 डिग्री उत्तर में है।

वर्तमान में उपलब्ध पानी की 85 प्रतिशत मात्रा का उपयोग कृषि क्षेत्र में किया जाता है। राज्य में अधिकांश खाद्य सामग्री की फसलों को उगाया जाता है और उगाये गये अनाज की मात्रा भारतीय राष्ट्रीय औसत की अपेक्षा 30–40 प्रतिशत अधिक है सरकार सिंचाई व जल निकासी के कार्यों को अत्यधिक प्राथमिकता प्रदान करती है और इस क्षेत्र में योजना खर्च व वास्तविक बजट का लगभग 25 प्रतिशत खर्च के लिए प्रदान करती है। तदानुसार राज्य के कृषि योग्य क्षेत्र के 75 प्रतिशत क्षेत्र को नहरों द्वारा सिंचित किया जाता है। सिंचाई क्षमता मात्र 70 प्रतिशत है जो कि सिंचाई प्रणाली के लिए पानी की सीमित उपलब्धता को दर्शाता है।

राज्य में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने के लिए बड़ी व मध्यम सिंचाई परियोजनाओं (मेजर एण्ड मिडियम इरिगेशन प्रोजैक्टस) को प्राथमिकता दी जाती है, जिसके परिणाम स्वरूप वर्ष 2012–13 के दौरान 22.04 लाख हैक्टेयर के क्षेत्र को नहरों द्वारा सिंचित किया गया।

नहरी व जल निकास नेटवर्क के चलाने व उसके रख-रखाव के लिए हरियाणा सिंचाई विभाग जिम्मेवार है। इसके अतिरिक्त विभिन्न जल संसाधन परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार करना है और जल मार्गों को पक्का करने व कमान क्षेत्र में विकास के अन्य कार्यों को करने के लिए कमान क्षेत्र विकास प्राधिकरण (काडा) इस विभाग का सहभागी है। इस विभाग को हरियाणा सिंचाई अनुसंधान प्रबन्धन संस्थान (हिरमी) प्रशिक्षण व अनुसंधान केन्द्र के रूप में सहभागी है।

सिंचाई विभाग द्वारा प्रदान की गई सुविधाएं व उद्देश्य

सिंचाई विभाग, हरियाणा के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:–

1. सामान्य प्रशासन विभाग को आबंटित मामलों को छोड़कर, सिंचाई विभाग के वर्ग–1 और वर्ग–II से सम्बन्धित अधिकारियों और विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में कर्मचारियों के स्थापना मामले।

2. बाढ़ सुरक्षा, जल निकासी और जल भराव रोकने हेतू कार्य–इनका निर्माण और रखरखाव।

3. पंचवर्षीय योजनाओं और भविष्य की योजनाओं की सिंचाई परियोजनाएं–इनकी शोध और अन्वेषण कार्य।

4. सिंचाई राजस्व–कर उगाही से संबन्धित सभी मामले।

5. राज्य में सिंचाई योजनाएं और परियोजनाएं, बहूउददेश्य नदी योजनाएं, बढ़ी और मध्यम सिंचाई योजनाएं और लघु सिंचाई योजनाएं।

6. कार्यरत राज्य नहर प्रणाली–इनके रखरखाव व संचालन संबंधी कार्य।

7. अंतर्देशीय जहाज अधिनियम, 1917 (1917 का अधिनियम 1) से उत्पन्न मामलों को छोड़कर शिपिंग और नेवीगेशन नहरों के कार्य।

8. राज्य के स्वामित्व वाले सिंचाई नलकूपों से सम्बन्धित मामले।

9. भारतीय सर्वेक्षण कार्य समन्वय के सिंचाई विभाग से सम्बन्धित कार्य।

10. सतलुज यमुना लिंक नहर, अपर यमुना बोर्ड, अन्तर्राज्यीय जल विवाद, दिल्ली जल आपूर्ति से संबन्धित अन्तर्राज्यीय मामले आदि–इत्यादि।

11. हरियाणा राज्य लघु सिंचाई और नलकूप निगम से संबन्धित सभी मामले।

12. हरियाणा सिंचाई अनुसंधान और प्रबंधन संस्थान से संबन्धित सभी कार्य।

13. कमान क्षेत्र विकास प्राधिकरण से संबन्धित सभी मामले।

14. सिंचाई परियोजनाओं के प्रयोजन के लिए भूमि अधिग्रहण और भूमि मुआवजे के भुगतान मामले।

वर्ष 2012–2013 की उपलब्धियां

वर्ष 2012–13 की मुख्य उपलब्धियां निम्नलिखित हैं:–

1. वर्ष 2011–12 के दौरान सिंचित 21.85 लाख हैक्टेयर के क्षेत्र की तुलना में उपरोक्त वर्ष में 22.04 लाख हैक्टेयर के क्षेत्र को सिंचित किया गया।

2. उपरोक्त वर्ष नहरों के 131.484 मिलियन वर्गफुट क्षेत्र को पक्का किया गया।

3. कृषि, औद्योगिक, पीने के पानी व अन्य उद्देश्यों के लिए दिये गये पानी से 7552.45 लाख रुपये का राजस्व लगाया/एकत्रित किया गया।

राम निवास,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
सिंचाई तथा जल संसाधन विभाग, चण्डीगढ़।

REVIEW OF ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF IRRIGATION DEPARTMENT, HARYANA FOR THE YEAR 2012-13.

The 2nd September, 2015

No. 185-186/362/26/Sts/2012-13

Haryana a State of the Union of India, was carved out of the composite State of Punjab on November 1st, 1966. It is situated in the North West of the Country and covers a geographical area of 4.4 million hectares and cultural area of 3.9 million hectares. The State in North is bounded/by Shivalik range of mountains and in the East by River Yamuna. Aravali range running South of Delhi and Desert of Rajasthan for the boundary on the South West side. In North West, the River Ghaggar forms part of the boundary with Punjab State lies between the basins of Indus and Ganges (between River Ghaggar and Yamuna) and is located in the Northern plain between longitude 74 degree to 78 degree East and Latitude 27 degree to 31 degree North.

Agriculture is the major user sector of water utilizing about 85% of the present supplies. Yields of most of the major crops are high and average food grain yields are 30-40% higher than the Indian national average. This Government places top most priority to Irrigation and drainage and about 25% of its planned outlays and actual budget are dedicated to these sectors. Consequently, about 75% of the state's arable Lands are served by Irrigation canals. However, the Irrigation intensity is only about 70% reflecting on the limited availability of water supplies for the system.

In the State, priority has been given to major and medium Irrigation project to increase the irrigation facilities as a result of which 22.04 lac Hectares of land was irrigated during the year 2012-13.

Haryana Irrigation Department is primarily responsible for operation & Maintenance of Canal & Drainage network, besides looking after planning Design & construction of various water Resource Projects and is supported by Command Area Development Authority (CADA) for the construction of lined water courses, other command area Development activities etc. It is also supported by Haryana Irrigation Research Management Institute (HIRMI) which caters as a Training and Research Centre.

OBJECTIVES & FACILITIES PROVIDED BY HARYANA IRRIGATION DEPARTMENT

The broad objectives of Haryana Irrigation are as under:—

1. Establishment matters relating to class-I and II officers of Irrigation Department and the staff under the administrative control of the Department, except matters allotted to the General Administration Department.
2. Flood Protection, Drainage and Anti Water logging works----construction and maintenance thereof.
3. Irrigation Schemes for Five Year plans and future Plans ---investigation and formulation of.
4. Irrigation Revenue—All matters relating to including Betterment levy.
5. Irrigation Schemes and Projects in the State, including Multipurpose River Schemes, Major and Medium Irrigation Schemes.
6. Running Canal System in the State Maintenance and Operation thereof.
7. Shipping and Navigation of canals excluding matters arising out of the Inland Vessels Act, 1917 (Act 1 of1917).
8. State owned irrigation tubewells in the State--- All matters relating to.
9. Survey of India Co-ordination of work relating to.
10. Inter-State matters SYL Canal, Upper Yamuna Board, Inter-State Water Disputes, Delhi Water Supply etc. etc.
11. Haryana State Minor Irrigation and Tubewell Corporation Ltd. ---- All matters relating to.
12. Haryana Irrigation Research and Management Institute—All matters relating to.
13. Command Area Development Authority----All matters relating to.
14. Land acquisition and payment of land compensation for the purpose of Irrigation projects.

ACHIEVEMENT OF THE YEAR 2012-13

The major achievements during the year 2012-13 are as under:-

- ❖ 22.04lac Hectares of land has been Irrigated during the year as compared to 21.85 lac hectares during 2011-12.
- ❖ 131.484 M.Sq. ft. area of canal has been lined.
- ❖ Total revenue Received during the year was Rs. 7552.45 lacs on account of sale of water for Agricultural, Industrial, Drinking and other purpose.

RAM NIWAS,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Irrigation & Water Resources Department, Chandigarh.

53628—C.S.—H.G.P., Chd.